

डॉ० अनुजा कुमारी

(डीएस विभाग) ७९

एस० एन० एस० आर० के० एस कॉलेज
सहसा

था। ऐसी स्थिति में चार्ल्स द्वितीय क
हंगामे में पुर्तगाल की और जाया
होसी फिर भी उन्होंने पुर्तगाल की
राजकुमारी से शादी भी की थी। इस
क्रम में उन्हें साथ पुर्तगाल से काफी
धन प्राप्त हुए थे। साथ ही साथ उन्हें
सारे उपनिवेश साथ लगे।

(iv) हॉलैंड के साथ लड़ाई:- इंग्लैंड और
हॉलैंड में बहुत पहले से ही शत्रुता
आ रही थी। ऐसी स्थिति में हीना
देश एक दूसरे की उन्नति का हेतु
नहीं चाहते थे। लेकिन यह भी सही
है कि हीना के बीच शत्रुता का एक
मात्र कारण व्यापार ही था। और
सबसे बड़ी बात तो यह है कि ~~1660~~
1660 ई० में नवी गेशन ऐक्ट के अनुसार
हॉलैंड इंग्लैंड के किसी भी उपनिवेश
के साथ व्यापार नहीं कर सकता था।
लेकिन यह बात हॉलैंड का अच्छी नहीं
लगा इसी लिए इंग्लैंड से बराबर लड़ने
रहा करता था। इसके साथ ही साथ
हॉलैंड के नामिक अफ्रीका अमेरिका और
एशिया में अंग्रेजी नामिकों को मारने
पीटने में लगा हुआ था। साथ ही साथ
उत्तरी अमेरिका में अंग्रेजों और डच
हीना अपना-अपना उपनिवेश स्थापित करने
के लिए प्रयत्न शील्य थे और इन्हीं सब
बातों से 1665 ई० में हॉलैंड और इंग्लैंड

Scanned By Scanner Go

कं बीच बगकर लड़ाई शुरू हो गई थी।

7) डीवर की गुप्त सन्धि :- फ्रांस का राजा लुइस चौदहवां चार्ल्स द्वितीय का भाई था और डीना के संबंध बहुत अनिष्ट थे। लेकिन त्रिगुट सन्धि का लेकर लुइस चौदहवां और चार्ल्स द्वितीय डीना संबंध समतल में प्रारंभ करने लगे लेकिन ऐसी स्थिति में चार्ल्स द्वितीय इन प्रारंभ को समाप्त करने का भरसक प्रयास किया और इन क्रम 1670 ई० में फ्रांस के साथ एक त्रिगुट सन्धि भी किया। इस सन्धि के तहत चार्ल्स द्वितीय फ्रांस में राजा को लकन बढ़िया के समय आने पर वह हॉलैंड के खिलाफ फ्रांस का अपने सेना के खिलाफ मदद करेगा लड़ाई डीना के बीच लेकिन विजय श्री हॉलैंड की हुई। ऐसी स्थिति में चार्ल्स द्वितीय का यह सन्धि नहीं कर सका।

चार्ल्स द्वितीय की विदेश नीति काफी कुटील उन्होंने अपने लार्ड की भाँति इंग्लैंड का विदेश में बढ़नाम किया लेकिन सबसे दुरवद्द पहलु तो यह है कि चार्ल्स द्वितीय पैसा कमाने के लिए अपने सारे फार्म कानून का ताक पर रख देते थे यही कारण है कि वे अनेक युद्धों में भाग लेते लेकिन सभी युद्धों में उन्हें समय और धन की बर्बादी हुई साथ ही साथ उसके बहुत सारी सैनिक